परागा 3

पाठ 1. धनी मधुर मुसकान के

पाठ का परिचय

कवि ने यहाँ उन नन्हे बहादुर बच्चों की चर्चा की है, जो जीवन की हर कठिनाई का सामना मुसकाते हुए करते हैं। वे जीवन में आने वाले हर तूफ़ान और बाधा को हँसते हुए पार करते हैं। झगड़ालू स्वभाव वालों से वे दूर रहते हैं। अच्छे काम करना उनकी आदत बन जाता है। वे सारे संसार में प्यार बाँटते हैं। वे ऐसी जगह जाने से बचते हैं, जहाँ बुराई पनपती और फलती-फूलती है। मधुर मुसकान के धनी ये बच्चे श्रम करके स्वयं अपनी राह बनाते हैं। ये बच्चे देश के हित के लिए अपना पूरा जीवन लगा देने के लिए भी तत्पर हैं।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

मधुर मुसकान वाले साहसी बच्चे हमें मेहनत से अपने काम करने और खुशियाँ बाँटने का संदेश दे रहे हैं।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका कविता का सस्वर पाठ करें। बच्चे पुस्तकें बंद रखें और कविता ध्यान से सुनें। बच्चों से अध्यापक/अध्यापिका प्रश्न पूछें कि कविता में किसका वर्णन किया गया है। इसके बाद बच्चे पुस्तकें खोलें व अध्यापक/अध्यापिका के साथ कविता पाठ करें। अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को कविता में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। फिर कविता का भाव स्पष्ट करें।

बच्चे कविता हाव-भाव व लय सहित कक्षा में सुनाएँ। कविता कंठस्थ कर हाव-भाव सहित कक्षा में सुनाने से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछकर चर्चा करें –

- बच्चे किस प्रकार कठिनाइयों का सामना करते हैं?
- वे किन चीज़ों से बचते हैं?
- हमें कैसा बनना चाहिए?